वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन वर्ष 2021

प्रयोग समाज सेवी संस्था
तिल्दा–नेवरा, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़

पृष्ठभूमि –

प्रयोग समाज सेवी संस्था की स्थापना वर्ष 1975 से आरंभ हुआ और पंजीयन वर्ष 1982 में हुआ । **प्रयोग** की पहचान एक ऐसे संस्था के रूप में रही है जिसने ग्रामीण नेतृत्व को विकसित किया है । प्रयोग ने ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी और वंचित समुदाय के युवक युवतियों के लिए 'गांधीयन एक्टीविज्म स्कूल' के रूप में केन्द्र को विकसित किया है । अभी तक 2000 से भी ज्यादा युवाओं को जमीनी कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित किया गया है जो राज्यभर में कार्यरत हैं ।

संस्था द्वारा दलित, आदिवासी एवं भूमिहीनों के लिये किये गये प्रमुख कार्य निम्नानुसार है –

- आदिवासी और भूमिहीनों को संगठित और एकजुट करना तथा स्थानीय ग्रामीण नेतृत्व और सामुदायिक संगठनों को मजबूत बनाना ।
- शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन की दिशा में जागरूक करना ताकि अधिकाधिक हितग्राहियों को विभिन्न योजनओं का लाभ मिल सके ।
- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का संचालन व अपने अधिकारों के प्रति सामूहिक प्रयास करना ।
- संघर्ष, रचना व संवाद के माध्यम से अधिकारों के लिए जागरूक करना ।
- समुदाय के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा जल, जंगल, जमीन व आजीविका के अधिकार के लिए सामूहिक पहल करना ।
- जागरूकता निर्माण और मोबिलाईजेशन के विभिन्न पहलुओं जैसे लोक केन्द्रित विकास के लिए जवाबदेह संसाधन प्रबंधन, भूमि वितरण, आदिवासी समाज की जंगल में पहुंच (उपयोग–उपभोग), विकेन्द्रिकृत निर्णयों और सामाजिक राजनैतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना ।

<u>संस्थागत कार्यक्षेत्र</u>

संस्था द्वारा वर्ष 2020 में चार राज्यों में व्यापक तौर पर संगठन निर्माण, युवा एवं महिला नेतृत्व निर्माण, शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन तथा अधिकाधिक हितग्राहियों को खाद्यान्न आपूर्ति व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने, जैविक खेती को प्रोत्साहित करने तथा कार्यक्षेत्र में संचालित समुदाय आधारित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से **''राष्ट्रीय भूमि सुधार परिषद का गठन''**, **''आवासीय भूमि अधिकार कानून'' तथा ''महिला कृषक हकदारी कानून''** को लागू करने जैसे नीतिगत बदलाव की दिशा में प्रयास कर रही है ।

<u>राज्यवार कार्यक्षेत्र का विवरण</u> –

क्र.	*राज्य*	*जिलों की संख्या*	*ब्लॉक संख्या*	*पंचायत संख्या*	*गांव संख्या*		
					सघन	*सम्पर्क*	*कुल*
1	*छत्तीसगढ़*	*18*	*23*	*393*	*439*	*292*	*731*
2	*मध्यप्रदेश*	*18*	*43*	*472*	*472*	*314*	*786*
3	*उड़ीसा*	*09*	*14*	*75*	*225*	*150*	*375*
4	*झारखण्ड*	*08*	*16*	*58*	*145*	*97*	*242*
5	*बिहार*	*04*	*07*	*27*	*80*	*20*	*100*
6	*तमिलनाडु*	*02*	*03*	*12*	*40*	*10*	*50*
		59	***106***	***1037***	***1401***	***883***	***2284***

संस्था की वित्तीय स्थिति – 1 अप्रेल 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक

क्र	दानदाता का नाम	परियोजना अवधि	स्वीकृत राशि	प्रारंभिक शेष	अवधि के दौरान प्राप्तियॉ	बैंक से प्राप्त ब्याज	कुल प्राप्तियॉ	कुल खर्च	शेष
1	*बी.एम.जेड.–डब्ल्यू.एच.एच. परियोजना (भूमि व जल अधिकार परियोजना)*	*अक्टूबर 2018 से दिसम्बर 2022*	4,52,00,400	2173,891.15	99,36,353.58	38,003.00	121,48,247.73	117,07,738.92	4,40,508.81
2	*बी.एम.जेड–डब्ल्यू.एच.एच. कोविड रिलिफ परियोजना*	*सितम्बर 2020 से अप्रेल 2021*	2,64,31,600	93,52,827.07	12,03,597.86	50,346.00	106,06,770.93	104,78,199.08	1,28,571.85
3	*ई.यू.–डब्ल्यू.एच.एच. परियोजना (संगठन निर्माण परियोजना)*	*जनवरी 2016 से सित. 2020*	4,46,01,440	21,434.19	0.00	0.00	21,434.19	0.00	21,434.19
4	*फ्रेण्ड्स ऑफ एकता*	*कोरोना रिलिफ*	17,61,473.00	17,59,473.00	0.00	0.00	17,59,473.00	8,04,010.00	9,55,463.00
5	*आदिवासी लाईव मेटर–2*	*अगस्त 2020 से जुलाई 2023*	2,66,40,000	(-) 64,001.20	50,65,554.75	9,395.00	50,10,948.55	47,21,009.46	2,89,939.09
6	*एक्शन विपेज इण्डिया*	*कोरोना रिलिफ*	4,09,321.97	4,09,321.97	0.00	0.00	4,09,321.97	3,40,307.00	69,014.97
7	पी.आई.एच.	*नवम्बर 2019 से दिसम्बर 2020*	18,55,700	3,52,978.00	0.00	0.00	3,52,978.00	0.00	3,52,978.00
8	फाओ प्रोजेक्ट		1,53,843.00	1,53,843.00	0.00	0.00	1,53,843.00	0.00	1,53,843.00
9	सिल्विया इन्टरेस्ट फण्ड		0.00	38,580.00	0.00	15,477.00	54,057.00	14,000.00	40,057.00
10	सिल्विया कॉरपस फण्ड		3,95,000.00	3,95,000.00	0.00	0.00	3,95,000.00	0.00	3,95,000.00
10	माया फण्ड		2,34,500	2,34,500.00	0.00	0.00	2,34,500.00	0.00	2,34,500.00
11	जनरल इन्टरेस्ट फण्ड		2,97,867.51	2,97,867.51	0.00	66,204.00	3,64,071.51	67,406.00	2,96,665.51
	जी.एल.एस. जर्मनी	*कोरोना रिलिफ*	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
			14,79,81,145.48	1,51,25,714.69	1,62,05,506.19	1,79,425.00	315,10,645.88	281,32,670.46	33,77,975.42

12	अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन–वैक्सीनेशन प्रोजेक्ट	*नवम्बर 2021 से अप्रेल 2022*	152,53,000.00	0.00	152,53,000.00	0.00	152,53,000.00	45,96,789.00	10,65,6211
13	ए.पी.पी.आई प्रोजेक्ट	*नवम्बर 2021 से अक्टूबर 2024*	77,50,000.00	0.00	77,50,000.00	0.00	77,50,000.00	6,61,172.00	70,88,828.00
14	यूनिसेफ छत्तीसगढ़, रायपुर	*5 अगस्त 2021 से 31 जनवरी 2022*	56,75,000.00	0.00	56,75,000.00	0.00	56,75,000.00	52,80,698.00	3,94,302.00
15	ए.पी.पी.आई	*कोरोना रिलिफ*	10,20,000.00	0.00	10,20,000.00	0.00	10,20,000.00	10,20,000.00	0.00
16	आदिवासी लाईव मेटर	*कोरोना रिलिफ*	11,29,627.00	0.00	11,29,627.00	0.00	11,29,627.00	9,67,788.00	1,61,839.00
17	आदिवासी लाईव मेटर	*कोरोना रिलिफ*	12,39,637.69	0.00	12,39,637.69	0.00	12,39,637.69	11,85,702.00	53,935.69
	कुल		320,67,264.69	0.0	320,67,264.69	0.0	320,67,264.69	137,12,149.00	183,55,115.69

1. भूमि और जल अधिकार परियोजना – 1 जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2022

जर्मन कोपारेशन व वेल्टहंगरहिल्फे के सहयोग से 1 जनवरी 2019 से यह परियोजना प्रारंभ की गई है । यह परियोजना चार साझेदार संस्थाओं के साथ क्रियान्वित की जा रही है – प्रयोग समाज सेवी संस्था, परमार्थ समाज सेवा संस्थान, आई.ए.व्ही.एच. तथा जनहित विकास संस्थान ।

इस परियोजना का उद्देश्य निम्नानुसार है –

- *लोगों के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए भूमि और पानी के अधिकारों की सुरक्षा करना ।*
- *7 राज्यों में खाद्य और पोषण सुरक्षा तथा टिकाउ आजीविका के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में सीमांत समूहों की भूमि और पानी के अधिकारों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण कर मुद्दों का समाधान करना है ।*

उपलब्धियॉ

1 जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2021 तक

- *परियोजना क्षेत्र में 5 राज्यों के 30 जिलों, जिसमें छत्तीसगढ़ के 10 जिले, मध्यप्रदेश के 10 जिले, झारखण्ड के 5 जिले, बिहार के 4 जिले तथा तमिलनाडु के 2 जिले शामिल हैं ।*
- *इन जिलों के 600 गांवों में 1200 सशक्त मुखिया साथी (600 महिला तथा 600 पुरुष) चिन्हित किये गये हैं जो संगठनात्मक गतिविधियों को ताकत प्रदान करते हैं ।*
- *परियोजना के तहत् महिला, भूमिहीन तथा छोटे किसानों सहित आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्र के लक्षित समुदाय के भूमि व जल संसाधनों के अधिकार को सुनिश्चित करने की दिशा में निम्न–लिखित मापदण्ड निर्धारित किया गया है –*

8000 परिवारों को भूमि अधिकार दिलाना इनमें से लगभग 50% महिलाऍ होंगी

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	वनाधिकार के तहत अधिकार		आवासीय अधिकार		अधिकार प्राप्त महिला हितग्राही		नये दावे
				परिवार संख्या	रकबा (एकड़)	परिवार संख्या	रकबा (एकड़)	संख्या	रकबा (एकड़)	
1	मध्यप्रदेश	10	3000	445	1134	213	3.15	36	0	0
2	छत्तीसगढ़	10	3000	128	279.36	36	2.93	4	9.4	580
3	झारखण्ड	4	1200	0	0	10	0	0	0	263
4	बिहार	4	1200	41	0.171	123	0.103	123	0.103	122
5	तमिलनाडु	2	600	0	0	736	11.03	0	0	200
		30	**9000**	**614**	**1413.53**	**1118**	**17.213**	**163**	**9.503**	**1165**

250 नये सामुदायिक वन अधिकार दावे लगाये गए

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	लगाये गये कुल दावे	प्राप्त अधिकार पत्र	रकबा
1	मध्यप्रदेश	10	100	0	0	
2	छत्तीसगढ़	10	100	28	24	13431.838
3	झारखण्ड	4	40	11	0	0
4	बिहार	4	40	16	8	22.475
5	तमिलनाडु	2	20	25	0	0
		30	**300**	**80**	**32**	**13486.313**

200 जल श्रोतों का निर्माण/ पुनरूद्धार करना, जिससे 10000 परिवारों तक सामुदायिक जल संसाधन पहुॅच सके

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	तैयार ढॉचा	गांव संख्या	सहभागी संख्या	अनुमानित लागत	ढॉचा के प्रकार
1	मध्यप्रदेश	10	70	46	39	1206	2015000.00	Ponds deepening, conduit construction Rainy Canal
2	छत्तीसगढ़	10	70	76	72	3597	6120000.00	
3	झारखण्ड	4	28	20	19	1000	1180000.00	
4	बिहार	4	28	6	6	300	360000.00	
5	तमिलनाडु	2	14	6	6	315	Missing	
		30	**210**	**154**	**142**	**6418**	**9675000**	

गतिविधियॉ

1. <u>नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन करना</u>

- वर्ष 2020 तक परियोजना क्षेत्र के सभी 24 जिलों में नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था।
- वर्ष 2021 में शेष 6 जिलों के नेतृत्व विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।
- इस प्रकार कुल 30 शिविर के माध्यम से 2925 युवक–युवतियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें 1139 महिला तथा 1786 पुरूष सहभागी शामिल हुए ।
- प्रशिक्षित युवक–युवतियों में से प्रत्येक जिले में 20–25 युवाओं को स्थानीय स्वयं–सेवक के रूप में काम लिया जा रहा है ।
- वर्ष 2021 के दौरान किये गये प्रशिक्षण शिविर इस प्रकार है –

क.	राज्य	जिला	स्थान	अवधि	सहभागी			
					गांव सं.	महिला	पुरूष	कुल
1	मध्यप्रदेश	शहडोल	ब्नचाचर	5–7 फर 21	15	28	59	87
2	झारखण्ड	गिरिडीह	बेलगई	27–29 जन 21	15	42	56	98

3	झारखण्ड	कोडरमा	मरकच्चो	8–10 अप्रेल 21	17	48	42	90
4	झारखण्ड	देवघर		12–14 नव. 21	14	29	69	98
5	झारखण्ड	हजारीबाग	बिष्णुपुर	9–11 सित. 21	15	59	48	107
6	तमिलनाडु	त्रिपुर	मदुरई	16–18 मार्च 21	15	28	45	73
					91	234	319	553

2. भूमि और जल अधिकार, सामुदायिक वन अधिकार, पेसा कानून पर समुदाय के मुखिया तथा पंचायत प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर क्षमता विकास कार्यक्रम

- स्थानीय शासन प्रणाली, सामाजिक जवाबदेही, पारदर्शिता के साथ–साथ सामाजिक समावेश को सुधारने और मजबूत करने की दिशा में क्षमता विकास कार्यक्रम किया गया है ।
- अभी तक 20 क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें मध्यप्रदेश में 7, छत्तीसगढ़ में 10 तथा बिहार में 3 शामिल है ।
- जन–सुनवाई, शिकायत निवारण प्रणाली, व्यक्तिगत वनाधिकार, सामुदायिक वनाधिकार पर प्रशिक्षण देकर समुदाय तथा पंचायत प्रतिनिधियों को सशक्त किया ।
- क्षमता विकास कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 96 सरपंच, 230 वार्ड–सदस्य, 23 जिला परिषद सदस्य के अलावा 270 ग्रामीण युवा व मुखिया साथियों को शामिल किया गया है ।
- प्रशिक्षण के उपरान्त ग्राम सभा में समुदाय तथा पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ी है ।
- वर्ष 2021 के दौरान किये गये क्षमता विकास प्रशिक्षण इस प्रकार है –

क्र.	राज्य	जिला	स्थान	अवधि	सहभागी			
					गांव स.	महिला	पुरूष	कुल
1	मध्यप्रदेश	शहडोल	बनचाचर	25–27 मार्च 21	14	14	26	40
2	मध्यप्रदेश	टीकमगढ़	अहार	26–28 फर 21	12	09	16	25
3	मध्यप्रदेश	झाबुआ	रतिमाली	9–11 मार्च 21	14	09	21	30
4	मध्यप्रदेश	श्सहार	लड़कुई	25–27 मार्च 21	17	17	18	35
5	छत्तीसगढ़	सूरजपुर	रामानुज नगर	15–17 जन. 21	10	14	23	37
6	छत्तीसगढ़	कोण्डागांव	पैंसरा	17–19 जन. 21	9	12	23	35
7	छत्तीसगढ़	जशपुर	खुटेरा	17–19 मार्च 21	12	15	22	37
8	छत्तीसगढ़	धमतरी	कासरवाही	17–19 मार्च 21	13	12	26	38
9	छत्तीसगढ़	गरियाबंद	कासरबाय	20–22 मार्च 21	12	15	25	40
					113	**117**	**200**	**317**

3. कानूनी साक्षरता अभियान के माध्यम से समुदायों के अधिकारों पर कानूनी जागरूकता बढ़ाना

- इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण मुखियाओं को व्यक्तिगत वनाधिकार अधिनियम, सामुदायिक वनाधिकार अधिनियम की जानकारी दिया गया ।
- वर्ष 2021 में 22 वनाधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर 1253 ग्रामीण युवक–युवती तथा मुखियाओं को प्रशिक्षित किया गया । जिसका विवरण निम्नानुसार है –

राज्य	जिला	अवधि	सहभागी	
			महिला	पुरूष
मध्यप्रदेश	भोपाल	8–9 अगस्त 21	18	3
मध्यप्रदेश	मुरैना	7–8 सितम्बर 21	51	8
मध्यप्रदेश	श्योपुर	11–12 सितम्बर 21	67	8
मध्यप्रदेश	सागर	15–16 सितम्बर 21	19	32
मध्यप्रदेश	सिवनी	27–28 दिसम्बर 21	18	38
मध्यप्रदेश	सिहोर	29–30 दिसम्बर 21	21	41
मध्यप्रदेश	रायसेन	30–31 अक्टूबर 21	4	48
छत्तीसगढ़	सूरजपुर	5–6 सितम्बर 21	19	61
छत्तीसगढ़	जशपुर	9–8 सितम्बर 21	56	7
छत्तीसगढ़	राजनांदगांव	11–13 सितम्बर 21	22	38
छत्तीसगढ़	कांकेर	13–15 सितम्बर 21	28	30
छत्तीसगढ़	कोरिया	26–28 सितम्बर 21	8	44
छत्तीसगढ़	कोण्डागांव	28–29 दिसम्बर 21	15	45
छत्तीसगढ़	गरियाबंद	29–30 दिसम्बर 21	29	33
छत्तीसगढ़	सरगुजा	28–29 दिसम्बर 21	22	30
छत्तीसगढ़	धमतरी	26–28 दिसम्बर 21	37	27
बिहार	गया	23–24 अगस्त 21	35	15
बिहार	नवादा	27–28 अगस्त 21	35	25
बिहार	जहानाबाद	19–20 नवम्बर 21	25	40
बिहार	जमुई	29–30 नवम्बर 21	22	30
झारखण्ड	कोडरमा	30–31 दिसम्बर 21	17	33
तमिलनाडु	कोयम्बतूर	9–10 दिसम्बर 21	27	25
			595	**658**

4. <u>सामुदायिक मुखिया और पत्रकारों को फेलोशिप देना</u>

- समुदाय की समस्याओं को प्रशासनिक, जन–प्रतिनिधि के साथ एडवोकेसी तथा मीडिया के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित करने के लिए चयनित मुखिया साथी तथा पत्रकारों को सम्मानित किया जाता है ।
- इस वर्ष 5 व्यक्तियों को यह सम्मान दिया गया है, जिसमें मीडिया संबंधी कार्य हेतु छत्तीसगढ़ में बस्तर बन्धु के प्रमुख श्री सुशील शर्मा, मध्यप्रदेश में नई दुनिया व पत्रिका के श्री हरिओम गोंड तथा बिहार राज्य में श्री राजीव रंजन को सहयोग किया गया है । श्री संतोष सिंह, मध्यप्रदेश तथा श्री कान्हूचरण मोहन्ती, झारखण्ड को प्रशासनिक संवाद के लिए सहयोग किया गया है ।

परिणाम 2: **भारत के विभिन्न हिस्सों से अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को उपयोग करते हुए भूमि और जल प्रबंधन के मॉडल तैयार करना, जो सात राज्यों के ग्रामीण और जनजातीय समुदायों के द्वारा बर्ना गई है ।**

कानूनी साक्षरता के माध्यम से विभिन्न कानूनों की जानकारी के आधार पर भूमि अधिकार के लिए 5,00,000 परिवारों को संवेदनशील बनाना

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	सहभागी संख्या	गतिविधि/ कार्यक्रम
1	मध्यप्रदेश	10	1,70,000	1,23,472	जय जगत यात्रा, जन–सुनवाई, युवा शिविर, ग्रामीण बैठकें, रैली, ज्ञापन
2	छत्तीसगढ़	10	1,70,000	1,12,400	
3	झारखण्ड	4	68,000	14,708	
4	बिहार	4	68,000	11,613	
5	तमिलनाडु	2	34,000	31,220	
		30	5,10,000	2,93,413	

राज्य, जिला, ब्लॉक तथा पंचायत स्तर के 200 सरकारी अधिकारियों को भूमि तथा जल संसाधनों के अधिकार के लिए कानूनी और प्रशासनिक रूप से संवेदनशील बनाना

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	सम्पर्क अधिकारियों की संख्या	विभाग
1	मध्यप्रदेश	10	70	60	वन विभाग, राजस्व विभाग, तहसील कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय
2	छत्तीसगढ़	10	70	47	वन विभाग, राजस्व विभाग, तहसील कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय
3	झारखण्ड	4	28	15	ग्रामीण विकास, भूमि विकास, मत्स्य
4	बिहार	4	28	18	राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास, लघु सिंचाई विभाग, श्रम संसाधन विभाग, कृषि विभाग
5	तमिलनाडु	2	14	11	वन विभाग, राजस्व विभाग, तहसील कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय, सांसद, विधायक
		30	210	151	

500 सहभागी गांवों का भूमि, वन और जल उपयोग पर ग्राम विकास योजना तैयार करना और इन योजनाओं को साकार करने के लिए स्थानीय प्रशासन को सौंपना

क.	राज्य	जिला	लक्ष्य	ग्राम विकास योजना निर्माण	ग्राम सभा में सम्मिलित करना
1	मध्यप्रदेश	10	170	180	83
2	छत्तीसगढ़	10	170	200	48
3	बिहार	4	68	80	24
4	झारखण्ड	4	68	80	41

5	तमिलनाडु	2	34	0	22
		30	**510**	**540**	**218**

परिणाम 2 के तहत् गतिविधियॉ

1. समुदाय द्वारा गांव विकास योजना बनाना

- विषम और प्रतिकुल परिस्थितियों में भी ग्रामीण मुखियाओं द्वारा 540 गांव विकास योजना का निर्माण किया गया तथा 218 को सौंपा गया है ।
- इस गतिविधि के अन्तर्गत इस वर्ष ग्रामीण विकास योजना के लिए 1 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है –

राज्य	जिला	गांव	अवधि	सहभागी			
				गांव सं.	महिला	पुरूष	कुल
मध्यप्रदेश	जबलपुर	मोहला	16–18 मार्च 21	17	12	21	33
				17	**12**	**21**	**33**

2. समस्या और संभावित समाधानों पर समुदाय, निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के मध्य इन्टरफेस संवाद कार्यक्रम

- दिसम्बर 2021तक परियोजना क्षेत्र के 5 राज्यों में 73 इन्टरफेस कार्यक्रम किये गये हैं । इस दौरान व्यक्तिगत वनाधिकार तथा सामुदायिक वनाधिकार पर चर्चा किया गया है ।
- इस दौरान अधिकारियों और जन–प्रतिनिधियों द्वारा आश्वासन दिया गया है कि व्यक्तिगत दावे तथा सामुदायिक दावे का तुरन्त निराकरण की दिशा में पहल किया जायेगा । साथ आवासीय भूमि के लम्बित प्रकरण पर भी पहल किया गया है ।
- मध्यप्रदेश में इस कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश के वनमंत्री भी शामिल हुए तथा समुदाय द्वारा ज्ञापन दिया गया ।
- वर्ष 2021 के दौरान जो कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, वह निम्नानुसार हैः–

राज्य	जिला	अवधि	सहभागी		
			महिला	पुरूष	कुल
मध्यप्रदेश	झाबुआ	21 जनवरी 21	11	17	28
मध्यप्रदेश	झाबुआ	18 फरवरी 21	14	18	32
मध्यप्रदेश	टीकमगढ़	24 फरवरी 21	2	12	14
मध्यप्रदेश	जबलपुर	23 मार्च 21	16	24	40
मध्यप्रदेश	सिवनी	22 मार्च 21	03	28	31
मध्यप्रदेश	शहडोल	28 मार्च 21	8	18	26
मध्यप्रदेश	भोपाल	24 जून 21	2	3	5
मध्यप्रदेश	सागर	01 अक्टूबर 21	42	55	97
मध्यप्रदेश	सिहोर	02 अक्टूबर 21	38	44	82
मध्यप्रदेश	रायसेन	01 अक्टूबर 21	31	50	81
मध्यप्रदेश	श्योपुर	01 अक्टूबर 21	41	51	92
मध्यप्रदेश	झाबुआ	01 अक्टूबर 21	38	40	78

मध्यप्रदेश	सिवनी	02 अक्टूबर 21	36	56	92
मध्यप्रदेश	शहडोल	01 अक्टूबर 21	40	37	77
मध्यप्रदेश	जबलपुर	01 अक्टूबर 21	36	46	82
मध्यप्रदेश	टीकमगढ़	02 अक्टूबर 21	15	50	65
छत्तीसगढ़	गरियाबंद	12 मार्च 21	02	46	48
छत्तीसगढ़	राजनांदगांव	15 मार्च 21	07	51	58
छत्तीसगढ़	धमतरी	22 मार्च 21	31	43	74
छत्तीसगढ़	कांकेर	24 मार्च 21	17	33	50
छत्तीसगढ़	कोण्डागांव	24 मार्च 21	22	30	52
छत्तीसगढ़	जशपुर	24 मार्च 21	09	27	36
छत्तीसगढ़	सूरजपुर	26 मार्च 21	24	38	62
छत्तीसगढ़	सरगुजा	26 मार्च 21	15	73	88
छत्तीसगढ़	रायपुर	30 सितम्बर 21	6	75	81
छत्तीसगढ़	गरियाबंद	30 सितम्बर 21	82	140	222
छत्तीसगढ़	धमतरी	30 सितम्बर 21	94	116	210
छत्तीसगढ़	राजनांदगांव	30 सितम्बर 21	62	110	172
छत्तीसगढ़	कांकेर	30 सितम्बर 21	52	18	70
छत्तीसगढ़	सरगुजा	30 सितम्बर 21	60	62	122
छत्तीसगढ़	सूरजपुर	30 सितम्बर 21	113	59	172
छत्तीसगढ़	जशपुर	30 सितम्बर 21	18	95	113
छत्तीसगढ़	कोरिया	30 सितम्बर 21	115	44	159
छत्तीसगढ़	कोण्डागांव	30 सितम्बर 21	22	64	86
बिहार	जहानाबाद	29 दिसम्बर 21	25	30	55
बिहार	जमुई	2 अक्टूबर 21	35	25	60
बिहार	नवादा	2 अक्टूबर 21	40	30	70
बिहार	गया	2 अक्टूबर 21	22	43	65
बिहार	जहानाबाद	2 अक्टूबर 21	40	35	75
झारखण्ड	हजारीबाग	2 अक्टूबर 21	14	44	58
झारखण्ड	कोडरमा	2 अक्टूबर 21	30	21	51
झारखण्ड	गिरिडीह	2 अक्टूबर 21	19	29	48
झारखण्ड	देवघर	2 अक्टूबर 21	19	40	59
			1368	1970	3338

3. <u>व्यापक जन अभियान</u>

- इस वर्ष परियोजना क्षेत्र के सभी जिलों में न्याय और शान्ति पदयात्रा के माध्यम से ग्रामीण समस्याओं का अध्ययन किया गया तथा राजनेता तथा अधिकारियों को सौंपा गया ।
- इसी कड़ी में 2 अक्टूबर 2021 को छछत्तीसगढ़ राज्य के न्याय और शान्ति पदयात्रा की समापन कार्यक्रम में महामहिम सुश्री अनुसुईया उईके सम्मिलित हुई और ज्ञापन लिया गया ।
- इस वर्ष 2 कार्यक्रम आयोजित हुए, वह निम्नानुसार है –

क्र.	राज्य	जिला	अवधि	सहभागी		
				महिला	पुरूष	कुल
1	बिहार	पटना	19 सितम्बर 21	49	51	100
2	छत्तीसगढ़	रायपुर	2 अक्टूबर 21	44	88	132
				93	**139**	**232**

4. नेटवर्क एवं गठबंधन को सहयोग करना

- एकता महिला मंच को सशक्त बनाने के लिए महिला मंच की बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । एकता महिला मंच छत्तीसगढ़ ने छत्तीसगढ़ में शराब मुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित का प्रयास कर रहे हैं ।
- सभी राज्यों में महिला मंच द्वारा जल के पारंपरिक श्रोतों के संरक्षण तथा संवर्धन के प्रयास किये जा रहे हैं ।
- इस वर्ष जो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, वह निम्नानुसार है –

क्र.	राज्य	जिला	अवधि	सहभागी		
				महिला	पुरूष	कुल
1	मध्यप्रदेश	कटनी	11–13 नवम्बर 21	42	0	42
2	छत्तीसगढ़	रायपुर	14–15 नवम्बर 21	35	0	35
3	बिहार	पटना	17–18 दिसम्बर 21	45	10	55
4	झारखण्ड	हजारीबाग	19–20 दिसम्बर 21	31	5	36
				153	15	168

5. विधि संस्थानों और जन–प्रतिनिधियों की भागीदारी के माध्यम से विभिन्न कानूनों और विधानों का आलोचनात्मक मूल्यांन

- इस वर्ष मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड तथा तमिलनाडु राज्य में भूमि संबंधी मुद्दों पर अध्ययन के लिए विशेषज्ञों का चयन किया गया है, जिन्होंने अपना अध्ययन कार्य प्रारंभ कर दिया है । सभी राज्यों के अध्ययन के आधार पर एक सारांश रिपोर्ट तैयार किया जायेगा, जिसमें राज्यों में भूमिहीन और गरीब समुदाय को भूमि अधिकार दिये जाने का सुझाव शामिल होगा । अध्ययन के आधार पर राज्य अनुसार मांग–पत्र भी तैयार किया जायेगा ।
- भूमि अध्ययन के लिए जो विशेषज्ञ नियुक्त किये गये हैं, वह निम्नानुसार है –
    - छत्तीसगढ़ – श्री देवजीत नन्दी
    - मध्यप्रदेश – डॉ. शशि सिंह
    - झारखण्ड – श्री बिनित मुण्डु
    - तमिलनाडु – श्री जी. जीवन रेड्डी

ACTIVITY PHOTOGRAPHS

Gariyaband legal literacy camp, organised on 29-30 Dec. 2021. Group presentation on FRA is showing here	
Kondagaon legal literacy camp, organised on 28-29 Dec. 2021, Sdudying CFR book in groups	

Dhamtari Interface with Community Leaders, After meeting with Collector on 30 September 2021	
Dhamtari district interface prog. Giving memorandum to SDM.	
Bihar Mass campaign, conducted on 19th Sept. 2021 at Patna.	

Chhattisgarh **Mass campaign** On 2nd October honourable Governor Mrs. Anusuiya Uike was present with Rajgopal ji during a mass campaign public meeting in Tilda. She assured to help on issues related to PESA and FRA.	
Surajpur Goat Distribution	

Sivani Goat Distribution	
Bihar Network and Alliance (EMM meeting on 17-18 Nov. 2021 at Patna)	

2. कोविड 19 राहत अभियान – 1 सितम्बर 2020 से 30 अप्रेल 2021

बी.एम.जेड. तथा डब्ल्यू.एच.एच., नई दिल्ली के सहयोग से परियोजना क्षेत्र के 5 राज्यों – छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा उड़ीसा में कोरोना राहत कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें निम्न–लिखित गतिविधियॉ शामिल रही –

1. सीड किट वितरण – यह कार्यक्रम 3 राज्यों के 11 जिले के 34 गांव में 600 परिवारों को वितरित किया गया । यह सीड किट मुख्य रूप से देशी दलहन तथा तिलहन बीज था, ताकि हितग्राही अपने खेत में देशी बीज का उपयोग कर जैविक खेती कर सके । जिलेवार विवरण इस प्रकार है –

राज्य	सीड किट संख्या	लक्षित परिवार	
		पुरूष	महिला
उड़ीसा	240	175	65
छत्तीसगढ़	240	174	66
मध्यप्रदेश	120	96	24
	600	445	155

2. पोषण बगीचा – यह कार्यक्रम 5 राज्यों के 13 जिलों के 31 गांव के 370 परिवारों को वितरित किया गया । इसके तहत् हितग्राहियों को देशी सब्जी बीज वितरित किया गया, ताकि इस कोरोना महामारी की स्थिति में परिवार पोषण युक्त सब्जी का उपयोग कर सके तथा कोरोना महामारी से बचा जा सके । जिलेवार विवरण इस प्रकार है –

राज्य	सब्जी किट संख्या	लक्षित परिवार	
		पुरूष	महिला
उड़ीसा	135	79	56
छत्तीसगढ़	125	79	46
मध्यप्रदेश	40	9	31
बिहार	30	0	30
झारखण्ड	40	1	39
	370	168	202

3. बकरी वितरण – यह कार्यक्रम 4 राज्यों के 12 जिलों में 28 गांव के 95 परिवारों को जोड़ा बकरी वितरित किया गया है ताकि वे अपने आजीविका को सुनिश्चित कर सके । राज्यवार विवरण इस प्रकार है –

राज्य	बकरी यूनिट	लक्षित परिवार	
		पुरूष	महिला
उड़ीसा	40	10	30
छत्तीसगढ़	40	8	32
बिहार	5	0	5
झारखण्ड	10	1	9
	95	19	76

4. श्रमदान कार्य – काम के बदले अनाज – यह कार्यक्रम 5 राज्यों के 47 जिले में 240 गांवों के जल संरक्षण के 269 ढॉचा, जैसे– तालाब गहरीकरण, चेक डेम निर्माण, कुॅआ मरम्मत, नाला तथा आहार पाईन तैयार किया गया, जिसमें 13362 परिवारों को काम के बदले अनाज वितरित किया गया । इस कार्यक्रम के माध्यम से लॉगडाउन के कारण वापस आये मजदूर परिवार को रोजगार तथा अनाज उपलब्ध हो सके । राज्यवार विवरण इस प्रकार है –

राज्य	श्रमदान संख्या	लक्षित परिवार		
		पुरूष	महिला	कुल
उड़ीसा	61	1171	1879	3050
छत्तीसगढ़	60	1420	1580	3000
मध्यप्रदेश	56	1162	1643	2805
बिहार प्रयोग व जे.व्ही.एस	78	1987	1870	3857
झारखण्ड	14	236	414	650
	269	5976	7386	13362

ढॉचागत विवरण इस प्रकार है –

राज्य	काम के प्रकार					
	तालाब गहरीकरण	चेकडेम	कूॅआ मरम्मत	नाला	आहार पाईन	कुल
उड़ीसा	59	1	0	1	0	61
छत्तीसगढ़	60	0	0	0	0	60
मध्यप्रदेश	31	13	10	2	0	56
बिहार	1	1	1	0	10	13
झारखण्ड	8	1	0	3	2	14
	159	16	10	7	12	204
जे.व्ही.एस	7	0	0	0	58	65
कुल	166	16	10	7	70	269

5. श्रम–शक्ति यात्रा

श्रम के प्रति सम्मान को बढ़ाने, पलायन से वापस आये मजदूरों को काम दिलाने, सामूहिक प्रयास से सामुदायिक सम्पत्ति का निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए 2 श्रम–शक्ति यात्रा का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है –

- श्रम–शक्ति यात्रा– मध्यप्रदेश – 27 फरवरी 2021 से 14 मार्च 2021 – यह यात्रा मध्यप्रदेश के 8 जिलों – सिवनी, बालाघाट, कटनी, जबलपुर, दमोह, टीकमगढ़, रायसेन तथा सागर जिले में चलाई गई । इस कार्यक्रम को मध्यप्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, डी.आई. जी.पुलिस श्रीमती अनुराधा शंकर, डॉ. अजय मेहता, श्री आजात शत्रु द्वारा सहभागी, सहयोग व समर्थन प्राप्त हुआ ।
- श्रम–शक्ति यात्रा– छत्तीसगढ़ व उड़ीसा – 1 मार्च 2021 से 6 मार्च 2021 – यह यात्रा छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव, धमतरी, गरियाबंद

जिले से होकर उड़ीसा के कालाहण्डी तथा बालॉगीर जिले में चलाई गई । इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य में बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विरेश ठाकुर, जिला परिषद के अध्यक्ष श्री हेमन्त ध्रुव, ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती ब्रजबती नेताम व अनेक सरपंच तथा जन–प्रतिनिधि सहभागी हुए तथा उड़ीसा राज्य में पूर्व रेलमंत्री श्री भक्त चरण दास, श्री अशोक पटनायक तथा विभिन्न राजनैतिक व्यक्ति तथा मीडिया शामिल हुए ।

6. बीज बैंक – देशी बीजों के संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए बीज बैंक की स्थापना किया गया है जो 2 राज्यों के 2 जिलों में 16 गांव के मध्य 2 बीज बैंक संचालित किया जा रहा है, जो निम्नानुसार है –

राज्य	बीज बैंक संख्या	सहभागी गांव संख्या	सदस्यों की संख्या	
			पुरूष	महिला
उड़ीसा	1	10	40	60
छत्तीसगढ़	1	6	55	45
	2	16	95	105

यह बीज बैंक उड़ीसा राज्य के कालाहण्डी जिले तथा छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में संचालित है ।

7. एम.आई.वाई.सी.एफ. पर जागरूकता कार्यक्रम –यह जागरूकता कार्यक्रम 3 राज्यों के 14 जिलों में 18 गांवों में चलाई गई, जिसमें 458 बच्चे, 111 किशोरी तथा 642 महिलाएँ सहभागी हुए हैं । राज्यवार जानकारी इस प्रकार है –

राज्य	गतिविधि संख्या	सहभागी संख्या			
		बच्चे		किशोरी	महिला
		पुरूष	महिला		
उड़ीसा	11	145	173	25	459
छत्तीसगढ़	02	45	46	64	108
मध्यप्रदेश	05	27	22	22	75
	18	217	241	111	642

8. **स्वच्छता सामग्री वितरण तथा जागरूकता कार्यक्रम** – इस गतिविधि के तहत् सभी संचालित गतिविधियों में कोरोना बचाव के तरीके तथा स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया, साथ ही 269 श्रमदान शिविरों के दौरान 27000 मास्क तथा 13200 साबुन का वितरण किया गया ।

एकता परिषद
श्रमदान शिविर
09 फरवरी से 13 फरवरी 2021 तक
एकता परिषद

Strengthening Food and Nutrition Sectary &
WASH Systems to mitigate COVID-19 Pandemic"
Goatary Unit Distribution
Date : 03.05.2021
Village : Ranbahali, Upar Pipli, Mahijore
Block : Bhawanipatna Dist
Odisha

କୋଭିଡ-୧୯ ସହାୟତା ପ୍ରକଳ୍ପ
GOATARY DISTRIBUTION PROGRAMME
Bolagarh, Khordha, Odisha
Krushnapur A Sahi, Kaduapada A Sahi
Date-20/05/2021
Sevi Sanstha
Raipur, CG
German Corporation and Welthungerhilfe
New Delhi

JAI KISAN
SEEDS
SELECTION-22
TOMATO

Seed Bank Programme

4. **3. फ्रेण्ड्स ऑफ एकता–** एक्शन विपेज इण्डिया–कोरोना रिलिफ कार्यक्रम – इस कार्यक्रम के तहत् कोरोना महामारी के पहले चरण तथा दूसरे चरण में प्रभावित कार्यकर्ता साथी, बोर्ड सदस्य तथा उनके परिवारों को आर्थिक मदद किया गया है ।

5. **आदिवासी लाईव्स मेटर परियोजना**
   आदिवासी आवाज–आदिवासी युवाओ का डिजिटल क्षमता निर्माण कार्यक्रम है । आदिवासी लाईव्स मैटर द्वारा एक आदिवासी केन्द्रित मीडिया पहल के रूप में बनाया गया है, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं को तैयार करना है ।
   इस वर्ष कुल 67 युवाओं को प्रशिक्षु बनाया जा सका, जिसमें त्रिपुरा से 35 तथा छत्तीसगढ़ से 32 युवा शामिल है । इस युवाओं के माध्यम से 398 लेख तैयार किये गये हैं साथ ही 78 वीडियो शामिल है ।

6. एक्शन विपेज इण्डिया–कोरोना रिलिफ कार्यक्रम – इस कार्यक्रम के तहत् कोरोना महामारी के पहले चरण तथा दूसरे चरण में प्रभावित कार्यकर्ता साथी, बोर्ड सदस्य तथा उनके परिवारों को आर्थिक मदद किया गया है ।

7. अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन– वैक्सीनेशन प्रोजेक्ट – यह परियोजना छत्तीसगढ़ के तीन जिलों के 3 ब्लॉक में – रायपुर जिला के तिल्दा ब्लॉक के 132 गांव, महासमुन्द जिला के बागबाहरा ब्लॉक के 122 गांव तथा राजनांदगांव जिला के मानपुर ब्लॉक के 135 गांव में 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन के लिए जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है । इस कार्यक्रम के तहत् कार्यक्षेत्र के सभी गांव में सभी पात्र व्यक्तियों को कोरोना टीका का पहला डोज तथा निर्धारित समय में दूसरा डोज लगवाने के लिए प्रेरित करना तथा टीकाकरण केन्द्र तक पहुॅचाना है ताकि कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से वंचित न रह जाय ।
   यह अभियान तिल्दा ब्लॉक में 15 अक्टूबर 2021 से प्रारंभ होकर 14 फरवरी 2022 तक कियान्वित किया जा रहा है । बागबाहरा तथा मानपुर ब्लॉक के लिए यह अभियान 1 नवम्बर 2021 से प्रारंभ होकर 30 अप्रेल तक के लिए होगा । इस अभियान के तहत् प्रत्येक गांव में एक–एक स्वयं–सेवक नियुक्त किये गये हैं जो नियमित रूप से सर्वे कार्य करते हैं तथा पात्र व्यक्तियों के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन करना, मदद करना तथा टीकाकरण केन्द्र तक ले जाना है ।

8. अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन प्रोजेक्ट – यह परियोजना 1 नवम्बर 2021 से प्रारंभ किया गया है तथा छत्तीसगढ़ राज्य के 7 जिलों में – राजनांदगांव, धमतरी, गरियाबंद, कबीरधाम, कोरिया, सरगुजा तथा बिलासपुर जिले में संचालित किया जा रहा है । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत वनाधिकार तथा सामुदायिक वनाधिकार अधिनियम का सही कियान्वयन तथा पात्र परिवारों को अधिकार दिलाना है ।
   इस परियोजना के तहत् प्रत्येक जिले में 4 कार्यकर्ता तथा एक जिला समन्वयक के माध्यम से 350 गांवों में सघन रूप से काम किया जा रहा है ।

वर्तमान में सभी कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वे का कार्य किया जा रहा है, जिसमें गांव की भौगोलिक स्थिति, खेती व आवासीय जमीन, जंगल की जमीन, आजीविका के संसाधन शामिल है ।

9. मोर जिम्मेदारी अभियान – यूनिसेफ रायपुर

यह अभियान 10 अगस्त से प्रारंभ होकर 9 नवम्बर 2021 तक छत्तीसगढ़ राज्य के 23 जिलों में सघन रूप से चलाया गया । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्कूल शिक्षकों, ग्रामीण मुखिया, पंचायत प्रतिनिधियों तथा युवा क्लब के सदस्यों को शामिल करते हुए कोरोना बचाव आदत का पालन कराना तथा टीकाकरण के लिए प्रेरित करना था ।

इस अभियान के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने अपने–अपने क्षेत्र के प्रभावशाली आदिवासी नेताओं, पारंपरिक चिकित्सकों की पहचान की है और लगभग सभी स्थानीय जन–प्रतिनिधियों को इस अभियान में शामिल किया है । उन्हें मोर जिम्मेदारी अभियान से व्यक्तिगत रूप से अवगत कराया है तथा साहित्य दिये हैं । इस अभियान के दौरान गोण्डी, हल्वी तथा छत्तीसगढ़ बोली में टीकाकरण कराने तथा सी.ए.बी. का पालन करने पर वीडियो के माध्यम से जागरूक किया है । इस अभियान को विधायक, सांसद तथा जिला परिषद के सदस्यों ने झण्डी दिखाया है । इस अभियान के तहत् 19 जिलों के 600 गांव में जागरूकता करना था लेकिन संस्था द्वारा 23 जिलों के 700 गांव तक पहुॅच बनाई है ।

इस अभियान के तहत् 379 आदिवासी/धार्मिक मुखिया, 1980 पंचायत प्रतिनिधि, 22 विधायक, 23 कलेक्टर तथा अपर कलेक्टर व 5240 अन्य सरकारी अधिकारियों में शामिल किया है ।

इस अभियान को हाई प्रोफाईल व्यक्तियों का भी समर्थन मिला है, जिसमें छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव द्वारा झण्डी दिखाकर मोर जिम्मेदरी अभियान के रथ को रवाना करना, कार्यक्रम के मध्य में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम सुश्री अनुसुईया उईके द्वारा यूनिसेफ रायपुर के प्रमुख तथा एकता परिषर के संस्थापक के साथ तिल्दा में पोस्टर तथा बुकलेट का उद्घाटन करना तथा समापन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री चरणदास महंत का उनके बंगले में मुख्य आतिथ्य स्वीकार करना शामिल है ।

मोर जिम्मेदारी
पुलिस थाना बलौदा
जिला जाँजगीर चाम्पा (छ.ग.)

मोर
जिम्मेदारी
मोर
जिम्मेदारी

मोर
जिम्मेदारी
मोर
जिम्मेदारी

10. अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन – कोरोना रिलिफ अभियान – आदिवासी लाईव मेटर से माध्यम से टीकाकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से कोरबा जिले के 9415 व्यक्ति, गौरेला पेण्डा मरवाही के 34415 व्यक्ति, कोरिया 23888 व्यक्ति, बिलासपुर 20135 व्यक्ति तक पहुँच बनाते हुए टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम, रक्षात्मक दवाई वितरण किया गया है।
इस अभियान में 4 जिलों के स्वयं–सेवकों द्वारा 1 माह तक जागरूकता कार्यक्रम विभिन्न स्थानो में आयोजित किये गये तथा समुदाय के साथ सम्पर्क स्थापित किया गया ।

कोविड 19 की दूसरी लहर के बाद प्रयोग समाज सेवी संस्था द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दानदाताओं के सहयोग से राहत कार्य चलाया गया, जिसके तहत् 6962 बच्चों, किशोरियों तथा कुपोषित माताओं को रक्षात्मक दवाई, 1000 पात्र परिवारों को सूखा राशन सामग्री, 4300 किशोरियों व माताओं को पोषण आहार, 4000 बच्चों को रेडी टू ईट पैकेट व शहद तथा 6 ऑक्सीजन कॉस्ट्रेटर मशीन का वितरण किया गया ।

योग पट
हर्बल गार्डन

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र - सलका
वि.खं.उदयपुर
जि. सरगुजा
(छ.ग.)

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम
कौन सा टीका कब लगवायें

आपका हार्दिक स्वागत करती है...

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

बैगा परिवारों को पोषण आहार एवं रक्षात्मक दवाइयों का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तिल्दा नेवरा

एकता परिषद के राष्ट्रीय संस्थापक राजगोपाल पीव्ही एवं एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव रमेश शर्मा के सहयोग से चलाये जा रहे राष्ट्रीय आपदा कोविड-19 के तहत कबीरधाम जिला के महिलाओ एवं बच्चो का पोषण आहार एवं रक्षात्मक दवाई किट सामग्री वाहन को एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणसिंह परमार द्वारा हरा सफेद झंडा दिखाकर कबीरधाम के लिए रवाना किया गया।

विदित हो कि एकता परिषद् द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के 18 जिलों में कुपोषित बच्चो, अनिमियाग्रस्त माताओं तथा किशोरियों को पोषण आहार वितरित किया जा रहा है। साथ ही रक्षात्मक दवाई भी वितरित किया जा रहा है ताकि सामान्य तबियत ख़राब होने की स्थिति में रक्षात्मक दवाई का उपयोग किया जा सके। यह सभी कार्यक्रम आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायत प्रतिनिधि को साथ में लेकर किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 9 जुलाई को कबीरधाम जिला के बोड़ला विकास खंड के लिए पोषण आहार किट व रक्षात्मक दवाई किट वाहन को रवाना किया गया।

ये रहे उपस्थित: वितरण कार्यक्रम में एकता परिषद के क्षेत्रीय मुखिया व छत्तीसगढ़ बैगा समाज के मुखिया शिकारी बैगा, सरपंच रेखा बंजारे, पैंच लाला बैसाखू, कोटवार परदेशी साहू, मितानिन देवकुंवर कुंती बाई, श्यामलाल, बिरझा बैगा, बुद्ध सिंह बैगा, अंगद बैगा, फागुराम बैगा, सतून बैगा, उप सरपंच एवं पटेल ढोलबज्जा पंचायत नोहर सिंह बैगा, फगनी बैगिन, जेठिया बैगिन, असली बैगिन, वनाधिकार समिति आमापारा के अध्यक्ष अगहन सिंह बैगा, हजारी बैगा के साथ-साथ एकता परिषद छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ता रमेश यदु प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

किया रक्षात्मक किट का वितरण

10 जुलाई से 12 जुलाई तक कबीरधाम जिला के बोड़ला विकास खंड के ग्राम पंचायत चोरभट्ठी के गाँव बोकरा बाहरा, अम्लीडीह, छिंदहाटोला, तेन्दुआडीह, धुहीनाला, चोरभट्ठी, नवाटोला, तेलुपानी के बैगा परिवारो को 100 कीट पोषण आहार 55 महिलाओं एवं 79 बैगा आदिवासी बच्चो को रक्षात्मक दवाई कीट वितरित किया गया। वहीं रानीदहरा पंचायत के नवाटोला, राजाटोला, गोंधीपुर, धौराभाठा, नादीभाठा, बाघापथरा, सिधारी, सौंधीटोला के 67 महिलाओं को पोषण आहार 30 महिलाओं एवं 50 बैगा बच्चो को रक्षात्मक दवाई किट वितरित किया गया। ढोलबज्जा पंचायत के जामुनपानी तथा धवराटोला के 50 गर्भवती शिशु धात्री एवं अत्यंत गरीब 35 महिलाओ को पोषण आहार कीट एवं 11 बच्चो को रक्षात्मक दवाई किट का वितरण किया गया. कोरोना से बचने के लिए शासन के दिशा निर्देशों का पालन करने का एवं मास्क लगाने की सलाह दिया गया व मास्क वितरण भी किया गया। साथ ही वैक्सीन लगाने के लिए जागरूक किया गया।

बैगा परिवारों को पोषण आहार व दवाई का वितरण

एकता परिषद ने कबीरधाम जिला के बोड़ला विकासखंड के लिए आहार व दवाई किट वाहन को किया रवाना

तिल्दा-नेवरा (नईदुनिया न्यूज)। एकता परिषद के राष्ट्रीय संस्थापक राजगोपाल पीवी व एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव रमेश शर्मा के सहयोग से शुक्रवार को कबीरधाम जिला के बोड़ला विकासखंड के लिए पोषण आहार किट व रक्षात्मक दवाई किट वाहन को रवाना किया गया। राष्ट्रीय आपदा कोविड-19 के तहत कबीरधाम जिला के महिलाओं व बच्चों का पोषण आहार एवं रक्षात्मक दवाई किट सामग्री वाहन को एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणसिंह परमार द्वारा एकता परिषद के छत्तीसगढ़ कार्यालय तिल्दा से हरा सफेद झंडा दिखाकर कबीरधाम के लिए रवाना किया।

विदित हो कि एकता परिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के 18 जिलों में कुपोषित बच्चों, अनिमियाग्रस्त माताओं तथा किशोरियों को पोषण आहार वितरण किया जा रहा है। साथ ही रक्षात्मक दवाई भी वितरण किया जा रहा है ताकि सामान्य तबियत खराब होने की स्थिति में रक्षात्मक दवाई का उपयोग किया जा सके। यह सभी कार्यक्रम आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायत प्रतिनिधि को साथ में लेकर किया जा रहा है। 10 से 12 जुलाई तक

एकता परिषद द्वारा बैगा परिवारों को पोषण आहार व रक्षात्मक दवाई वितरण किया गया। ● नईदुनिया

कबीरधाम जिला के बोड़ला विकास खंड के ग्राम पंचायत चोरभट्ठी के गांव बोकरा बाहरा, अमलीडीह, छिंवहाटोला, तेन्दुआडीह, छुहीनाला, चोरभट्ठी, नवाटोला, तेंदुपानी के बैगा परिवारों को 103 किट पोषण आहार 55 महिलाओं व 79 बैगा आदिवासी बच्चों को रक्षात्मक दवाई किट वितरण किया गया। रानीझरा पंचायत के नवाटोला, साजाटोला, गांधीचुवा, धौराभाठा, मांदीभाठा, बावापथरा, सिंधारी, गांधीटोला के 67 महिलाओं को पोषण आहार 30 महिलाओं एवं 50 बैगा बच्चों को रक्षात्मक दवाई किट वितरण किया गया। छेलबज्जा पंचायत के जामुनपानी तथा धवराटोला के 50 गर्भवती शिशुधात्री व अत्यंत गरीब 35 महिलाओं को पोषण आहार किट एवं 11 बच्चों को रक्षात्मक दवाई किट का वितरण किया गया। कोरोना से बचने के लिए शासन के दिशा निर्देशों का पालन करने का एवं मास्क लगाने की सलाह दिया गया व मास्क वितरण भी किया गया।

साथ ही वैक्सीन लगाने के लिए जागरूक किया गया। वितरण कार्यक्रम में एकता परिषद के क्षेत्रीय मुखिया व छत्तीसगढ़ बैगा समाज के मुखिया शिकारी बैगा, सरपंच रेखा बंजारे, पंच लाला-बैसाखू, कोटवार परदेशी साहू, मितानिन देवकुंवर कुंती बाई, श्यामलाल, विरझा बैगा, बुद्ध सिंह बैगा, अंगद बैगा, फागुराम बैगा, सतूत बैगा, उप सरपंच एवं पटेल ढोलबज्जा पंचायत नोहर सिंह बैगा, फगनी बैगिन, जेठिया बैगिन, असली बैगिन, वनाधिकार समिति आमापारा के अध्यक्ष अगहन सिंह बैगा, हजारी बैगा के साथ साथ एकता परिषद छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ता रमेश यदु उपस्थित थे।

मन्तराम निषाद
सचिव